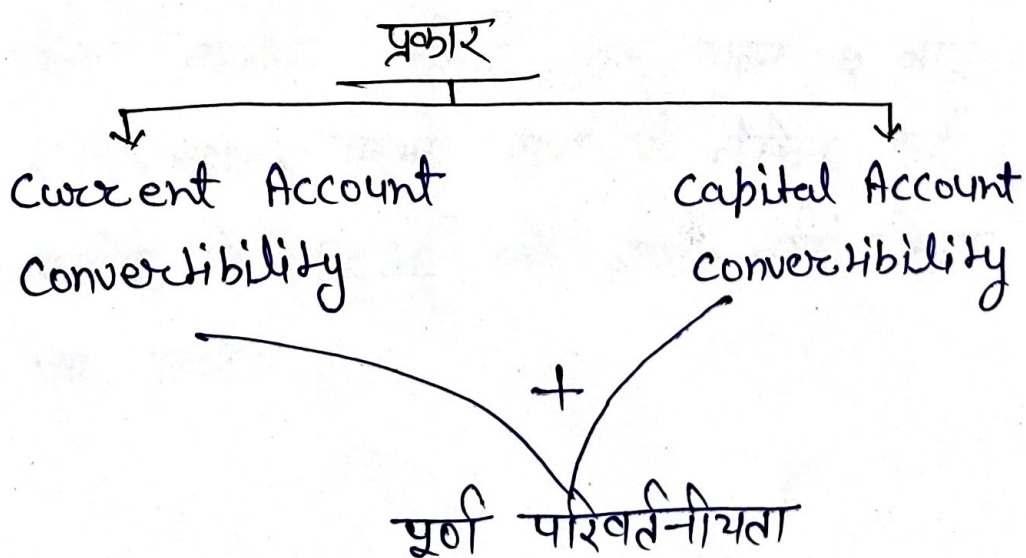


मुद्रा की परिवर्तनीयता (Convertibility of currency)

उदारीकरण से जुड़ी हुई एक अवधारणा जिसके अंतर्गत लोग स्वदेशी मुद्रा को विदेशी मुद्रा में और विदेशी मुद्रा को स्वदेशी मुद्रा में BoP लेनदेनों के लिए आसानी से बदल सकते हैं। इसके अंतर्गत BoP लेनदेनों से संबंधित विभिन्न प्रकार के प्रतिबंधों, सीमाओं आदि को या तो हटा दिया जाता है या पर्याप्त रूप से ढीला कर दिया जाता है।



भारतीय रुपये की परिवर्तनीयता

Current Account

Capital Account

↓
पूर्ण रूप से, अगस्त
1994 से।

↓
आधुनिक रूप
से परिवर्तनीय

नोट - इस प्रकार, वर्तमान में भारतीय
रुपया पूर्ण परिवर्तनीय नहीं है।

पूर्ण परिवर्तनीय बनाने के लिए FCAC
(Full Capital Account Convertibility)

को लागू करना होगा।

इस संदर्भ में आवश्यक सुझावों के
लिए तारपोर समिती का गठन १ बार
(1996, 2006) किया गया है लेकिन कई
कारणों से FCAC को लागू नहीं किया
जा सका।

Foreign Direct Investment (FDI)

(विदेशी प्रत्यक्ष निवेश)

किसी एक विदेशी निवेशक द्वारा मेजबान राष्ट्र (Host country) की किसी एक कंपनी की शेयरिटी (या अन्य कोई वित्तीय उपकरण जो अनिवार्य रूप से शेयरिटी में परिवर्तनीय हो) में 10% या उससे अधिक का निवेश करना FDI कहलाता है।

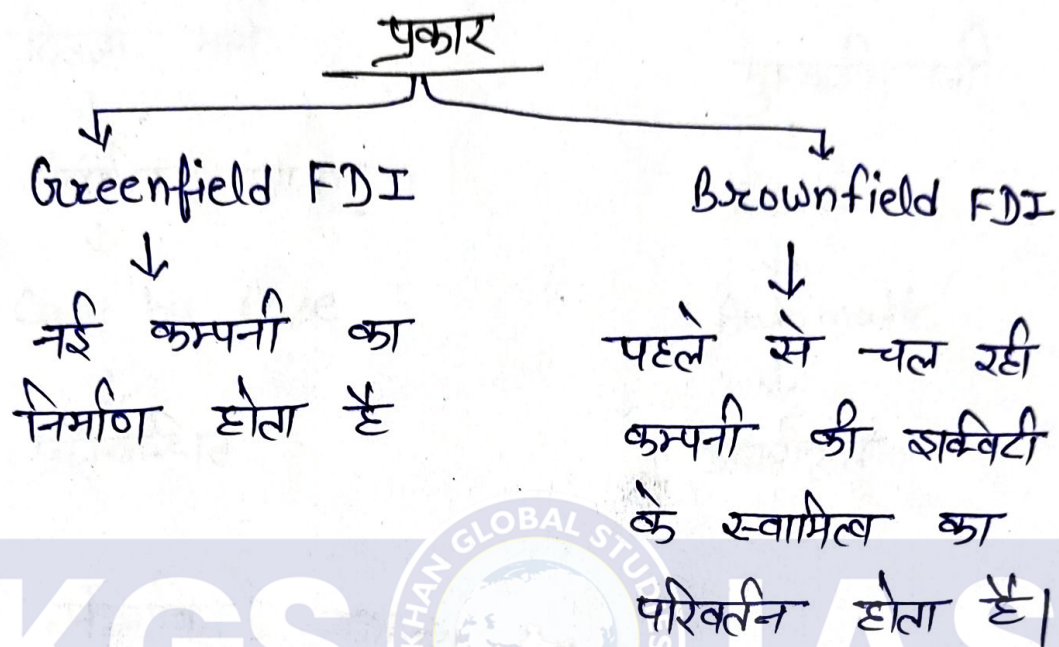
प्रकार →

Stable (स्थिर)

Long term (दीर्घकालिक)

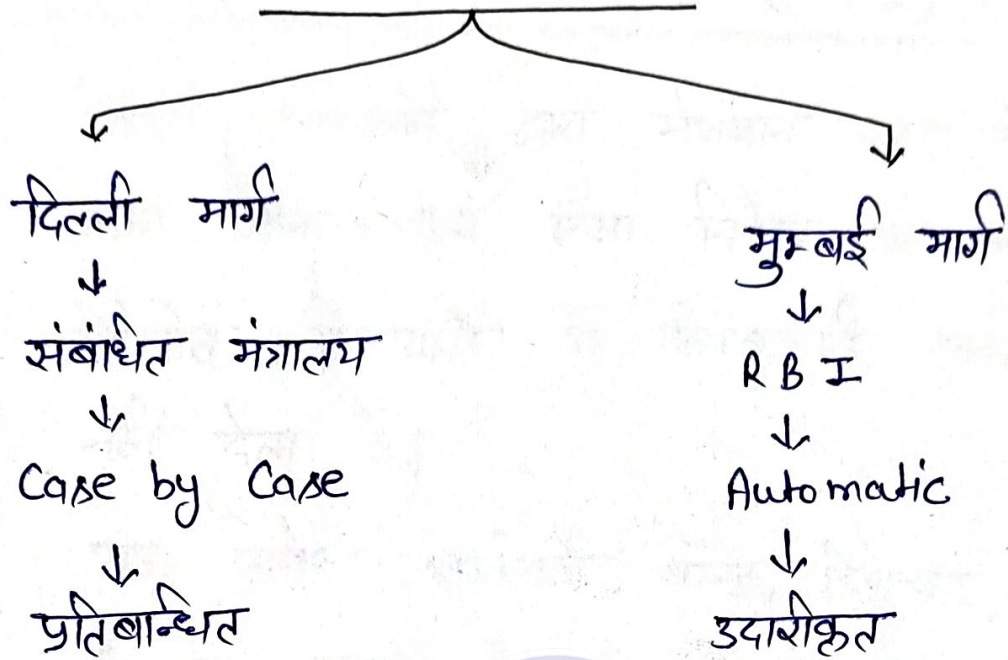
Non-Reversible (सामान्यतया वापस नहीं लाया है)

उपर्युक्त गुणों के कारण यह मेजबान
राष्ट्रों के लिए अच्छा माना जाता है।



नोट- मेजबान राष्ट्रों के लिए तुलनात्मक
रूप से ग्रीनफील्ड FDI अच्छा होता
है क्योंकि यह पूँजी निर्माण, GDP,
रोजगार आदि को प्रत्यक्ष रूप से बढ़ावा
देता है।

अनुमति के मार्ग



संभावित लाभ →

- पूंजी निर्माण को बढ़ावा मिलता है।
(Greenfield FDI के मामले में)।
- नई तकनीकी प्राप्त होती है।
- प्रबंधकीय और विपणन संबंधी कौशल प्राप्त होते हैं।
- निर्यातों को बढ़ावा मिलता है।
- विदेशी मुद्रा भण्डारों को स्थायी रूप से बढ़ावा मिलता है।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेश (FPI) →

विदेशी निवेशकों द्वारा मेजबान राष्ट्र में किया जाने वाला ऐसा निवेश जो उन्हें निवेशित संस्थाओं में नियंत्रणकारी शक्ति नहीं देता है।

यह निवेश इक्विटी, बॉन्ड, डिबेंचर, G-sec आदि में किया जा सकता

है।

यह निवेश मुख्य रूप से Secondary Market में प्रवेश करता है, हालाँकि यह IPO, FPO आदि के माध्यम से प्राथमिक बाजार में भी प्रवेश कर सकता है, इसमें निवेशक Diversified Portfolio का निर्माण करते हैं।